हिन्दी

वर्ग - स्नातकोत्तर

प्रश्न पत्र - XI

सेमेस्टर - III

इलेक्ट्रॉनिक का हिंदी पत्रकारिता
व समाचार पत्रों पर प्रभाव

इलेक्ट्रॉनिक हिंदी पत्रकारिता और समाचारपत्रों पर प्रभाव :- रेडियो तथा टेलीविजन के विकास के साथ इलेक्ट्रॉनिकी की नवीनतम जब समाचार - प्रसारण का प्रसार बढ़ा तो एक नये किस्म की हिंदी पत्रकारिता भी पनपी।

विलियम रिवर्स के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के लिए यह जरूरी थी कि वह समाचारपत्रों की पत्रकारिता से अधिक तीखी, प्रभावशाली प्रभावकारी, सबका से खबरों को याचन करने वाली और प्रभावोत्पादक हो।

इस नये किस्म के समाचार - लेखन की चुनौतियों को देखते हुए कहा जा सकता है कि कम से कम शब्दों में पूरी बात कहने की विवशता से ही नई शैलियों का जन्म हुआ।

रेडियो पत्रकारिता ही इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का वह आदि स्वरूप है, जिससे आधुनिकतम टेलीविजन पत्रकारिता का विकास हुआ है। कोई भी पत्रकार चाहे कितना भी प्रतिभाशाली, चर्चित और वरिष्ठ क्यों न हो, जब तक वह पत्र-पत्रिकाओं के लिए अपेक्षित अच्छे संवाद नहीं लिख सकता था, तब तक उसे रेडियो के पत्रकारिता के उपयुक्त नहीं माना जाता था।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता कई मायनों में मुद्रित पत्रकारिता से अधिक कठिन है इसमें समाचार या विषय विस्तार की छूट

ज्यादा सम्भावना नहीं होती। सीमित समय तथा आम फहम भाषा से ही काम चलाना होता है उनका इनका प्रभाव - क्षेत्र व्यापक होने के कारण यह ध्यान में रखना पड़ता है कि जो सामग्री प्रस्तुत की जाये, उसमें उस क्षेत्र विविध पृष्ठभूमियों के श्रोताओं - दर्शकों की दिलचस्पी कायम रहे।

इस प्रकार से देखा जाये तो केवल पृथक रेडियो - टेलीविजन प्रसारण केन्द्रों से प्रसारित समाचार बुलेटिनों को ही तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक हिंदी पत्रकारिता के प्रादेशिक संस्करण माना जा सकता है।

इसी दौरान इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में नये प्रयोग भी हुए। रेडियो ने संक्षिप्त समाचार बुलेटिन के साथ ही समाचार दर्शन शुरू किया जिसमें खबर के साथ ही मौके पर जा कर की गयी रेडियो - रिकॉर्डिंग, साक्षात्कार तथा चर्चाएं होती थीं। भाषणों के अंश शामिल किये जाते थे। इसी तरह की शैली पर आधारित रेडियो समाचार पत्रिका, रेडियो न्यूजरील तथा रेडियो - वृत (डाक्यूमेण्ट्री) का भी प्रसारण किया जाता था। अनेक समसामयिक विषयों पर वार्ताएं, परिचर्चाएं समीक्षाएं तथा भेंट - वार्ताएं प्रसारित की जाती थीं। इस प्रकार की प्रसारण सामग्री को तैयार करने का मुख्य उद्देश्य श्रोताओं को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों की जानकारी देना था। आर्थिक

Scanned with CamScanner

सामाजिक, राजनीतिक तथा शैक्षणिक विषयों से सम्बन्धित सामयिक समस्याएँ भी होती हैं, जिन्हें सदा से महत्व दिया गया है। रेडियो पत्रकारिता में एक दौर ऐसा था, जब प्रसारित सामग्री में वस्तुनिष्ठा का अत्यधिक ध्यान रखा जाता था। धीरे-धीरे सामान्य समाचारों के साथ विशेष व्याख्यात्मक सामग्री का प्रचलन हो गया।